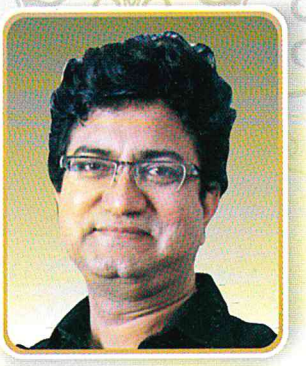


Shri Prasoon Joshi

Shri Prasoon Joshi is a well-known poet, writer, lyricist and an internationally acclaimed communication leader, exemplifying the rare breed of creativity and leadership.

2. Born on June 15, 1967, Shri Joshi, an MSc MBA, goes beyond refined roles and uses his intellectual and artistic ability to create unique content that inspires moves and propels positive change in the society. Shri Joshi wrote his first book at the age of 17 and later published three more book of poetry. His poems in various issues have found a unique connection with the consciousness of the country be it his poetry at the time of Mumbai terrorist attacking or his song about girl child Babul which he dedicated to Nirbhaya, the socially relevant programme Satyamev Jayate or Uttarakhand Flood relief campaign.

3. Through his writing in films like Taare Zameen Par, Rang De Basanti, Bhaag Milkha Bhag, Shri Joshi has rekindled the faith that one can give constructive direction to the society through high caliber work in the Popular genre. He has been an advertising and communication icon who's built mega brands represented the country and garnered glory for India at many International forums. Shri Joshi has been instrumental in leading the Indian Culture revolution in a westernized advertising world and brought international acclaim to India. His deep understanding of India's culture and indigenous language and the ability to connect it with international sensibility is widely acclaimed. He has been Jury Chairman at Cannes (first Asian) Awards and Member, National Cultural Fund (NCF).

4. Shri Joshi's socially relevant campaigns like Malnutrition, Polio Eradication, Women Empowerment, Ministry of Tourism, National Election campaign of 2014, the Swachh Bharat Abhiyaan (Clean India) have all won accolades and found deep and powerful consumer connect.

5. Shri Joshi has received various honours and awards including National Award by the President of India (2007 & 2013); Young Global Leader by the World Economic Forum; Filmfare Award (2006, 2008, 2014); Shailendra Samman for Literary & Socially relevant song writing; BAFTA nominations & Oscar shortlist; NDTV Indian of the year Special Award; Sant Gyaneshwar Award for socially relevant Poetry; Chishti Award for Communal Harmony; Hindi Urdu Samman; Vatayan Award, Indian Poetry & Culture at House of Lords in London and over 100 International Awards & Honors in the Communication Industry. He has also been honored at CANNES FESTIVAL (Lions). Shri Joshi's name appears amongst Country's Top 60 icons for his contribution in several fields that have shaped and impacted the public consciousness and amongst India's Top 21 Business Leaders who will shape India in the 21st century (Business Today).



श्री प्रसून जोशी

श्री प्रसून जोशी, एक अच्छी तरह जाने-माने जाने वाले कवि, लेखक, गीतकार और संचार के क्षेत्र में अपने विख्यात नेतृत्व के फलस्वरूप अन्तरराष्ट्रीय रूप से सराहे जाने वाले अग्रणी व्यक्ति हैं। आपकी विरली सृजनशीलता और आपका बेजोड़ नेतृत्व अनुकरणीय है।

2. आपका जन्म जून 15, 1967 को हुआ। आप, एम.एस.सी. और एम.बी.ए. हैं। आप अपनी रचनाओं में परिष्कृत और सुसंस्कृत भूमिकाओं को आगे बढ़ाकर और अपनी बौद्धिक तथा कलात्मक योग्यता का उपयोग करके ऐसी अद्वितीय रचनाएं तैयार करते हैं, जो लोगों को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करती हैं, उद्वेलित करती हैं और उन्हें प्रभावी ढंग से इस दिशा में आगे बढ़ाती हैं। आपने महज़ 17 साल की उम्र में अपनी पहली पुस्तक लिखी और बाद में काव्य की तीन और पुस्तकें प्रकाशित कीं। विभिन्न मुद्दों को सामने लाने वाली आपकी कविताओं ने देश की चेतना से अनन्य सम्बन्ध क़ायम किया है, चाहे आपकी ऐसी कविता मुंबई में हुए आतंकी हमले के समय की हो, या निर्भया को समर्पित बालिका बाबुल के बारे में आपका गीत हो, या सामाजिक दृष्टि से प्रासंगिक कार्यक्रम सत्यमेव जयते या उत्तराखण्ड में बाढ़-राहत-अभियान के बारे में आपकी कविताएं हों।

3. तारे ज़मीन पर, रंग दे बसन्ती, भाग मिल्खा भाग जैसी फिल्मों में आपने अपनी रचनाओं के माध्यम से इस विश्वास को फिर से जगाया है कि कोई भी व्यक्ति लोकप्रिय ढंग से उच्च चरित्र-बल को उजागर करने वाले अपने काम से समाज का निर्माणकारी मार्गदर्शन कर सकता है। आप विज्ञापन और संचार के क्षेत्र में एक ऐसी विभूति रहे हैं, जिन्होंने बड़ी ब्रैण्डों का निर्माण करके कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व किया है और भारत को गौरव दिलवाया है। आप पाश्चात्य विज्ञापन-जगत में भारतीय संस्कृति से संबंधित क्रांति की अगुआई करने में सहायक रहे हैं और आपने भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना दिलवाई है। भारतीय संस्कृति और देशी भाषा की आपकी गहरी समझ और इसे अंतरराष्ट्रीय संवेदनशीलता से जोड़ने की आपकी योग्यता की व्यापक रूप से प्रशंसा की जाती है। आप केन्स में पहले एशियन पुरस्कारों की जूरी के अध्यक्ष और राष्ट्रीय संस्कृति निधि के सदस्य रहे हैं।

4. कुपोषण, पोलियो-उन्मूलन, महिला अधिकारिता (सशक्तिकरण), पर्यटन-मंत्रालय, सन् 2014 के राष्ट्रीय चुनाव अभियान, स्वच्छ भारत अभियान (Clean India) जैसे आपके सामाजिक दृष्टि से प्रासंगिक अभियानों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई है और ये अभियान गहराई से और पुरज़ोर ढंग से उपभोक्ताओं से जुड़ते हुए पाए गए हैं।

5. आपको विभिन्न सम्मानों और पुरस्कारों से नवाज़ा गया है, जिनमें भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार (2007 और 2013); वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम द्वारा यंग ग्लोबल लीडर, फिल्मफ़ेयर अॅवॉर्ड (2006, 2008, 2014); साहित्यिक और सामाजिक दृष्टि से प्रासंगिक गीत-लेखन के फलस्वरूप शैलेन्द्र सम्मान; बी ए एफ टी ए नोमिनेशन्स एण्ड ऑस्कर शार्टलिस्ट; एन डी टी वी इंडियन ऑव द ईयर का स्पेशल अॅवॉर्ड; सामाजिक दृष्टि से प्रासंगिक काव्य सृजन के फलस्वरूप सन्त ज्ञानेश्वर पुरस्कार; साम्प्रदायिक सद्भावना के लिए चिश्ती पुरस्कार; हिंदी-उर्दू सम्मान; वातायन पुरस्कार; लन्दन में हाउस ऑव लॉर्डस में इण्डियन पोइट्री एण्ड कल्चर तथा संचार-उद्योग में प्राप्त 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान शामिल हैं। आपको केन्स फेस्टिवल (लायन्स) में भी सम्मानित किया गया है। विभिन्न क्षेत्रों में आपके ऐसे योगदान के फलस्वरूप आपका नाम देश की 60 शीर्ष विभूतियों में शुमार किया जाता है, जिसने जनचेतना को एक नया स्वरूप प्रदान किया है और उसे प्रभावित किया है। इसके अलावा, आपको भारत की उन 21 शीर्ष अग्रणी विभूतियों में भी शुमार किया जाता है, जो 21वीं शताब्दी (बिज़नेस टुडे) में भारत को एक नया स्वरूप देंगे।